Renouncing the manufacturing of nuclear weapons by India and Pakistan

3302. SHRI DHULESHWAR MEENA:

SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH;

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the recent statement of Pakistan Ambassador to India about the Possibility of making a binding declaration for renouncing the manufacture or acquisition of nuclear weapons by the two countries; and

(b) if so, what are the details in this regard and what is Government's reaction in the matter?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA FAO): (a) Yes, Sir.

(b) Speaking at a seminar in New Delhi on November 23, 1988, the Pakistan Ambassador reportedly said that India and Pakistan should examine the possibility of making a binding declaration for renouncing the manufacture or acquisition of nuclear weapons. He also reiterated his Government's proposal for declaring South Asia as a nuclear weapon-free zone.

Government are of the view that there can be no bilateral or regional solution to the dangers of nuclear proliferation. This is a global issue which can only be tackled globally. Moreover, Pakistan's proposal^ go ill with that country's single-minded drive for a nuclear weapons capability.

पिछड़े क्षेत्रों में नवोदय विद्यालय

3303. **श्री अजीत जोगी:** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री 30 नवम्बर, 1987 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 2332 के दिये गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि मध्य प्रदेश, बिहार और उड़ीसा के आदिवासी और हरिजन बहुल क्षेत्रों में अब तक खोले गए नवोदय विद्यालयों की संख्या कितनी है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल. पी. साही): आदिवासी बहुल वाले क्षेत्रों तथा उन क्षेत्रों में जहां अनुसूचित जातियों की जनसंख्या 20% या अधिक है, में अब तक खोले गए नवोदय विद्यालयों की संख्या निम्नलिखित है:-

(1) मध्य प्रदेश .	25
(2) बिहार .	14
(3) उड़ीसा .	10

शिक्षा नीति में परिवर्तन करने संबंधी प्रस्ताव

3304. **श्री राम जेठमलानी:** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान 3 नवम्बर, 1988 के "हिन्दुस्तान टाइम्स" में "एजुकेशन सिस्टम ए फेल्योर–राजीव" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि वर्तमान शिक्षा पद्धति पर गम्भीर आरोप लगाये गये हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और इन आरोपों के उत्तर में सरकार का क्या भावी समयबद्ध कार्यक्रम हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल. पी. साही): (क) जी हां